

राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा सम्पन्न, 3.76 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने आजमाया भाग्य

दोनों दिन की परीक्षा में 72 प्रतिशत अभ्यर्थियों की रही उपस्थिति, परीक्षार्थी को तलाशी और बायोमैट्रिक जांच के बाद ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया

जयपुर। राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल के 10 हजार रिक्त पदों पर भर्ती के लिए 13 और 14 सितंबर 2025 को आयोजित की गई लिखित परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके सम्पन्न हुई। इस परीक्षा के लिए 5 लाख 24 हजार 740 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था जिनमें से 3 लाख 76 हजार 902 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। दोनों दिनों में करीब 72 प्रतिशत

■ शाम को परीक्षा खत्म होने के बाद केन्द्रों के आस-पास, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जाने वाले रास्तों पर जाम लगा सीकर रोड से कलेक्ट्रेट सर्किल तक आने में लोगों को डेढ़ से दो घंटे लगे

अभ्यर्थियों ने इसमें हिस्सा लिया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड) बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि रिवार को जिला पुलिस कांस्टेबल,इंटेलिजेंस, आरएसी, एमबीसी के कांस्टेबल सामान्य व चालक पद के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन प्रदेश के 21 जिलों में किया गया। प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक पहली पारी में 582 परीक्षा केंद्रों पर हुई और अपराह्न



परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की मैनुअल और हैंड-हेल्ड मेटल डिटेक्टर से तलाशी ली गई व बायोमैट्रिक जांच के बाद ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया गया।

3 बजे से 5 तक दूसरी पारी में 21 जिलों के 580 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। इन दोनों पारियों की परीक्षाओं में तीन लाख से कुछ अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए। इस दौरान सुरक्षा के पख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रत्येक परीक्षा कक्ष में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे, जिनकी निगरानी पुलिस मुख्यालय में आईटी प्रशिक्षित अधिकारी लगातार देख रहे थे।

उल्लेखनीय है कि विज्ञापित पदों के अनुसार कांस्टेबल सामान्य नॉन टोइसपी के 8 हजार 512 पद, टोइसपी के 867, चालक नॉन टोइसपी के 503,

टोइसपी के 47 और कांस्टेबल बैड के 71 पद हैं। विज्ञापित पदों में 03 किसी अनधिकृत व्यक्ति का प्रवेश रोक।अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि परीक्षा की पवित्रता पदों को सम्मिलित किया गया है। कांस्टेबल बैड पद के अभ्यर्थियों के लिए लिखित परीक्षा का प्रावधान नहीं रखा गया है।प्रत्येक परीक्षार्थी को तलाशी और बायोमैट्रिक जांच के बाद ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया गया। परीक्षा केन्द्रों पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को निष्प्राथवी करने के लिए जैमर लगाए गए थे। परीक्षा

केन्द्र पर ड्यूटी करने वाले स्टाफ को विशेष पहचान पत्र जारी किए गए ताकि किसी अनधिकृत व्यक्ति का प्रवेश रोक।अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि परीक्षा की पवित्रता पदों को सम्मिलित किया गया है। कांस्टेबल बैड पद के अभ्यर्थियों के लिए लिखित परीक्षा का प्रावधान नहीं रखा गया है।प्रत्येक परीक्षार्थी को तलाशी और बायोमैट्रिक जांच के बाद ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया गया। परीक्षा केन्द्रों पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को निष्प्राथवी करने के लिए जैमर लगाए गए थे। परीक्षा



परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की मैनुअल और हैंड-हेल्ड मेटल डिटेक्टर से तलाशी ली गई व बायोमैट्रिक जांच के बाद ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया गया।

रहे थे। परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की मैनुअल और हैंड-हेल्ड मेटल डिटेक्टर से सघन तलाशी ली गई। इसके अलावा सभी अभ्यर्थियों का बायोमैट्रिक सत्यापन भी किया गया। सभी केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (जैसे मोबाइल, पेजर आदि) को निष्क्रिय करने के लिए जैमर लगाए गए थे। परीक्षा केंद्र के अंदर किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध था। परीक्षा सामग्री (प्रश्न पत्र, ओएमआर शीट) को अस्थाई ट्रेजरी रूप में सुरक्षित रखा गया था, जो सीसीटीवी की निगरानी में थे और हथियारबंद गाड़ों

द्वारा सुरक्षित थे। सामग्री की लोडिंग और अनलोडिंग की पूरी प्रक्रिया की वीडियोटाफी भी की गई। पुलिस ने संगठित गिरोहों पर विशेष निगरानी रखी, जो स्मार्ट गैजेट्स (मोबाइल, ब्लूटूथ डिवाइस) का उपयोग करके नकल कराने की कोशिश कर सकते थे। शाम को परीक्षा खत्म होने के बाद केन्द्रों के आस-पास, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जाने वाले रास्तों पर जाम लगा गया। सीकर रोड से कलेक्ट्रेट सर्किल तक आने में लोगों को डेढ़ से दो घंटे लग गए। यही हाल झोटावाड़ा, पानीपेच, बनीपार्क क्षेत्रों में भी रहा।

सवाई सिंह धमोरा की स्मारिका व पुस्तक का विमोचन

जयपुर। इतिहासविद् व समाजसेवी स्व. सवाईसिंह धमोरा की स्मृति में रिविवार को पांच बत्ती स्थित श्री राजपूत सभा भवन में 'पुस्तक विमोचन एवं स्मृति समारोह' का आयोजन किया गया। समारोह में स्व. सवाई सिंह धमोरा पर प्रकाशित एक स्मारिका और जमवायू माताजी पर उनके द्वारा लिखी पुस्तक "जय जमुवाय" का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम को महावीर सिंह सरवड़ी, पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा,राजवीर सिंह चलकोई,गुमानसिंह धमोरा,राजपूत सभा जयपुर अध्यक्ष रामसिंहचंदलाई, राजेंद्र सिंह बढाई सहित कई वक्ताओं ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम में बढ्रीसिंह राजावत सम्पतसिंह धमोरा, गोविंद सिंह मुंडियावाससहित जोधपुर, अलवर, सीकर, झुंझनू, हरियाणा, दौसा, करौलीआदि जिलों व दूर दराज से आये हुए लोगों ने सवाई सिंह धमोरा को श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर परस्पर समाजबंधु धमोरा के व्यक्तित्व से संबंधित संस्मरणों पर चर्चा करते नजर आये।

कार्यक्रम में सवाई सिंह धमोरा के पैतृक गाँव धमोरा से बरत व निजी वाहनों से काफी लोगों ने आकर शोभा बढाई। इस अवसर पर सवाई सिंह धमोरा के छोटे दोहिटे दिग्विजयसिंह मसूदा की दोनों पुत्रियों जागृति एवं कृतिका राठीड ने कविता के माध्यम से धमोरा के

कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर पुस्तक मेला भी लगाया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने राष्ट्रदूत समाचार पत्र में भू स्वामी आंदोलन सहित सवाई सिंह धमोरा के लिखित लेखों का बार बार जिक्र किया। इस अवसर पर महिलाओं की काफी संख्या रही। कार्यक्रम को लेकर कृष्ण वर्धन सिंह,नरेंद्र सिंह निमेड़ा,धमोरा के पोते नरेंद्र सिंह,अवधेश सिंह सहित स्वयंसेवकों ने व्यवस्था संचाल रहीं थी। सवाई सिंह धमोरा ने पत्रकारिता, लेखन, इतिहास और समाज सुधार के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया।राजस्थानी भाषा, साहित्य, राजपूत इतिहास और संस्कृति के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने उन्हें व्यापक पहचान दिलाई। स्वतंत्रता के बाद के राजस्थान में वे राजपूत समुदाय की एक प्रभावशाली आवाज थे और कई सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों में सक्रिय रूप से शामिल रहे।

वक्ताओं के अनुसारसवाई सिंह धमोरा ने असाधारण लगन और समर्पण के बल पर उल्लेखनीय ऊँचाईयाँ हासिल कीं। धमोरा ने अपने करियर की शुरुआत एक पत्रकार के रूप में की और जल्द ही राष्ट्रदूत सहित कई प्रमुख समाचार पत्रों के लिए एक प्रसिद्ध स्तंभकार बन गए। उनकी लेखनी में गहरी अंतर्दृष्टि और स्पष्टता झलकती थी।

उन्होंने मासिक प्रकाशन संघ शक्ति के संपादक के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो राजपूत सामाजिक सुधार आंदोलनों का मुखपत्र था। पत्रकारिता के अलावा, उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) और दूरदर्शन के साथ भी काम किया, जहाँ उन्हें उनकी स्पष्ट प्रस्तुतियों और दमदार वॉयस वर्क के लिए सराहा गया। 91 वर्ष की आयु तक भी वे राष्ट्रदूतसमाचार पत्रके लिए लगातार लिखते रहे।

धमोरा ने राजस्थानी और हिंदी दोनों भाषाओं में विपुल लेखन कार्य किया, जिसमें राजपूतों की वीरता, गौरवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति पर गहन ध्यान केंद्रित किया गया। उनकी कृतियों को राजपूताना इतिहास के गहरे ज्ञान और सांस्कृतिक विरासत के प्रति उनके सम्मान के लिए व्यापक रूप से मान्यता मिली। उन्हें अक्सर राजस्थान की सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत का "जीवित विश्वकोश" कहा जाता था।उनकी कुछ प्रमुख पुस्तकें और रचनाएँ: पेरू प्रकाश, गांधी गाथा, चारण चिंतन, शैतान सुजस (परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह के जीवन पर आधारित एक युद्ध जीवनी),चिंतौड के जौहर और शांके (चित्तौड़गढ़ के तीन ऐतिहासिक शाकों का विस्तृत विवेचन),बाल गीत (बच्चों की कविताओं का संग्रह),सम्राट पृथ्वीराज चौहान , गुढा गौडजी गोपीनाथ हैं।

बंधक बनाकर लूटने वाली गैंग के चार बदमाश पकड़े

जयपुर। करघनी थाना पुलिस ने कारंबाई करते हुए लोगों को बंधक बनाकर लूटने वाली गैंग के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इसमें दो जाल अपचारी भी शामिल हैं। पुलिस नाच में जांच में सामने आया कि गैंग के बदमाश मारपीट कर राहगीरों का अपहरण कर बंधक बनाते थे और फिर सुनसान जगह कपड़े उतरवाकर अश्लील वीडियो बनाकर मोबाइल-कैश लूटकर फरार हो जाते थे। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया कि करघनी थाना पुलिस ने कारंबाई करते हुए लोगों को बंधक बनाकर लूटने वाली गैंग के आरोपी विष्णु हरिजन (19) निवासी नांगल लाडी हरमाड़ा हाल करघनी और निकेश वर्मा (21) निवासी गणेश वाटिका निवारू रोड करघनी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वादरता में शामिल दो बालअपचारीयों को निरुद्ध भी किया है। गिरोह के चारों बदमाश सुनसान जगह पर राहगीरों को पकड़ते थे और मारपीट कर कार में डालकर बंधक बनाते। सुनसान जगह ले जाकर कपड़े उतरवाकर अश्लील वीडियो बनाते। मारपीट कर उसकी जेब में मिले कैश और मोबाइल लूट लेते थे। पुलिस शिकायत पर अश्लील वीडियो से धमकी देकर ब्लैकमेल करते थे।पुलिस पूछताछ में गिरने से कई खुलासे होने की संभावना जताई गई है।

बैठक में समिति का वार्षिक लेखा-जोखा पेश किया



न्यायालय कर्मचारी बचत व साख सहकारी समिति लिमिटेड साधारण सभा की वार्षिक बैठक हुई।

जयपुर। वार्षिक लेखा-जोखा न्यायालय कर्मचारी बचत एवं साख सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर मेंटो प्रथम, द्वितीय एवं जिला की शनिवार को विद्याधर नगर स्थित पापड़ के हनुमानजी मंदिर परिसर में साधारण सभा की वार्षिक बैठक एवं सामूहिक गोठ का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष अनिल

पारीक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कोषाध्यक्ष किशोर केवलरामानी ने समिति का वार्षिक लेखा-जोखा पेश किया कार्यक्रम की जिला एवं सत्र न्यायाधीश महानगर-01, नंदिनी व्यास, महानगर-02 रीटा तेजपाल एवं जिला अजीत कुमार हिंगर सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। बैठक में

पूर्व सचिव मनोज माधुर, वर्तमान सचिव पवन शर्मा, उपाध्यक्ष शुभा माधुर, रामस्वरूप चौधरी, सुमन देवाना, बद्रीलाल मीणा, रामावतार मोना, किशोर वर्मा, अश्वनी भूतिया, सतीश चंद्र गुप्ता, मोहित शर्मा, कृष्ण गोपाल, सुनील शर्मा, पदम पंडित, वीरेंद्र सोलंकी सहित अन्य न्यायिक कर्मचारी मौजूद रहे।

भाजपा जिला कार्यशाला का हुआ समापन

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी जयपुर देहात दक्षिण की जिला कार्यशाला रिविवार को प्रदेश कार्यालय, जयपुर में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लाखावत ने संबोधित करीं हुए कहा कि सेवा ही संगठन का सार है और सेवा पखवाड़ा समाज में राष्ट्रभावना जागृत करने का सशक्त माध्यम बनेगा। कार्यशाला की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर ने की। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता अपूर्व सिंह, प्रदेश मंत्री अजीत मांडल, स्टेफी चौहान, विधायक डॉ. कैलाश वर्मा, पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, बस्सी

से विधायक प्रत्याशी चंद्रमोहन मीणा, जिला महामंत्री शिवजीराम कुमावत, शिवप्रसाद यादव, हेमंत मीणा, जिला प्रभारी विमल अठावाल, अजय पाल सिंह, हरिमोहन शर्मा और हृदय सुमन पारीक सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से लेकर गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा का आयोजन जिलेभर में व्यापक स्तर पर किया जाएगा। इस दौरान रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, प्रबुद्ध वं

संवाद, 'वोकेल फॉर लोकल' को बढ़ावा, दिव्यांग सम्मान समारोह, सांसद खेलकूद प्रतियोगिताएँ तथा गांधी जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर ने कहा कि सेवा पखवाड़ा अभियान समाज में सेवा और राष्ट्रभावना को सशक्त करने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'सेवा ही संगठन' संदेश हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणाक्षेत्र है। बैठक की खस बात यह रही कि मंडलों से आए पदाधिकारियों से सुझाव लेकर उन पर शीघ्र ही काम करने का आश्वासन दिया गया।

यात्रियों को मिल रही आधुनिक और सुरक्षित सुविधाएं

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्रीभजनलाल शर्माके नेतृत्व में राज्य की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार और विस्तार देखने को मिल रहा है। सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सुलभ, सुरक्षित और आधुनिक यात्रा सुविधाप्रदान करना है, और इसी दिशा में राज्य सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठा रही है। राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा के अनुरूप 160 नई ब्यू लाइन एक्सप्रेस बसों का प्रदेश के 12 प्रमुख डिपो में शामिल किया गया है, जिनमें जयपुर, अजमेर, अजयमेरू, कोटपुतली, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, भीलवाड़ा, वैशाली नगर, विद्याधर नगर, शाहपुरा, हिण्डीन और दौसा शामिल हैं। इसके साथ ही12 सुपर लज्जरी बसोंके अधिाधार से राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम का बेड़ा और अधिक सशक्त हुआ है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विशेष बसें सेवाओं की शुरुआत की है। अबअयोध्या, गोवर्धन, सालासर बालाजी, रामदेवरा, श्रीनाथजी, श्रीरक्णी माता, कैची धामऔरकैलादेवीजैसे तीर्थस्थलों तक सीधी और सुविधाजनक बस सेवाएँ उपलब्ध हैं।

जयपुर। श्राद्ध पक्ष के उपलक्ष्य में रिविवार को गोविन्द देवजी मंदिर प्रांगण में पंचकुंडीय पितृ तृति गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। श्री मन्मथ गौड़ेश्वरचार्य महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने अपने दिवंगत पितृगणों की स्मृति में काले तिल, जौ, चावल एवं घृत से आहुतियां अर्पित कीं। इससे पूर्व मंदिर सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुर श्री गोविन्द देवजी, वेदमाता गायत्री एवं गुरुसत्ता का पूजन किया। आचार्य पीठ से गायत्री शक्ति पीठ ब्रह्मपुरी की गायत्री कचोलिया, गायत्री तैमर, ज्योति शर्मा और सृष्टि ने प्रज्ञा गीतों के साथ यज्ञ सम्पन्न कराया।

प्रवचन में शक्तिपीठ के विद्वानों ने कहा कि पितर हमारे अदृश्य सहायक हैं। उच्च संस्कारों वाली अशरीरी आत्माएँ आकस्मिक सहायता एवं अनुग्रह प्रदान कर मार्गदर्शन करती हैं। पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने से उनका आशीर्वाद जीवन के महत्वपूर्ण कार्यों में विशेष बल देता है। उन्होंने कहा कि जीवन में प्रगति, सद्भाव और शांति तभी संभव है जब हम अपने पूर्वजों का स्मरण कर उनके द्वारा दिखाए

जयपुर। श्राद्ध पक्ष के उपलक्ष्य में रिविवार को गोविन्द देवजी मंदिर प्रांगण में पंचकुंडीय पितृ तृति गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। श्री मन्मथ गौड़ेश्वरचार्य महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने अपने दिवंगत पितृगणों की स्मृति में काले तिल, जौ, चावल एवं घृत से आहुतियां अर्पित कीं। इससे पूर्व मंदिर सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुर श्री गोविन्द देवजी, वेदमाता गायत्री एवं गुरुसत्ता का पूजन किया। आचार्य पीठ से गायत्री शक्ति पीठ ब्रह्मपुरी की गायत्री कचोलिया, गायत्री तैमर, ज्योति शर्मा और सृष्टि ने प्रज्ञा गीतों के साथ यज्ञ सम्पन्न कराया।

- पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर तलाश शुरू की
- विरोध करने पर आरोपी ने मारने की धमकी दी, आरोपी के चुंगल से निकलने के बाद घटना की मां को घटना की जानकारी दी

बयानों के आधार पर पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। मामले की जांच कर रहे थानाधिकारी हवासिंह ने बताया कि करणी विहार इलाके में रहने वाली महिला का आरोप है कि शुक्रवार को परिचित युवक ने नाबालिग बेटी को मिलने का झांसा देकर होटल में बुलाया और जबरन उसे नशा करवाया। नशा होने के बाद बेहोशी की हालत में आरोपी के चुंगल से निकलने के बाद नाबालिग नशे की हालत में अपने घर पहुंची और घटना की जानकारी अपनी माँ को दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद माँ अपनी नाबालिग बेटी को लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 136 में किए विकास कार्य का शिलान्यास और लोकार्पण

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफने रिविवार को वार्ड 136 में विभिन्न विकास कार्यों काशिलान्यास एवं लोकार्पणकर स्थानीय निवासियों को समर्पित किया। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों और विकास समिति के सदस्यों ने विधायक सराफ कासाफा पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर जोरदार स्वागतकिया और उनके कार्यों के प्रति आभार जताया।स्थानीय पार्षद उषा टाटीवालने जानकारी दी किअठासेन नगर राधा गोविंद मंदिरपरिसर मेंटाइल्स कार्य और ज़िमका लोकार्पण किया गया। साथ ही मंदिर परिसर स्थितइंद्रधनुष रंगमंचमेंटाइल्स और पेटाफिफका जीर्णोद्धार कर उसे नई रूपरेखा प्रदान की गई। इसके अलावानौलकंड महादेव मंदिर (सी ब्लॉक) मेंसीसी रोड निर्माण कार्यका शिलान्यास कर विकास की नई शुरुआत की गई।

हिन्दी दिवस पर साहित्यकारों को किया सम्मानित

रामकिशन उपाध्याय समाज सेवा पुरस्कार बाहेती को मिला

जयपुर। हिंदी दिवस के अवसर पर राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार समिति द्वारा श्री दूंगरागढ़ में आयोजित भव्य समारोह में संस्था के सर्वोच्च सम्मान साहित्य श्री से डॉ. पञ्चजा शर्मा को सम्मानित किया गया। नंदलाल महर्षि स्मृति हिंदी सर्वजन पुरस्कार जबलपुर के देवेन्द्र कुमार मिश्रा, सुरेश कंचन ओझा लेखन पुरस्कार कुमार सुरेश, चंद्र मोहन हाडा हिमकर स्मृति पुरस्कार उपाध्याय सेलेबक विवचनाथ तंवर को प्रदान किया गया। रामकिशन उपाध्याय समाज सेवा पुरस्कार हरिशंकर बाहेती को प्रदत्त किया गया। बाहेती ने समर्पित राशि को दुरुना कर समिति को सौंपते हुए कहा कि इसे साहित्यिक व सेवा के कार्यों में खर्च किया जाए। शिव प्रसाद सिखवाल महिला लेखन पुरस्कार संगीता सेठी बीकानेर, शुद्ध लक्ष्मी सम्मान अजमेर के सुरेश कुमार श्रीचंदानी तथा श्याम सुंदर नगला बाल साहित्य पुरस्कार शाहजहांपुर के डॉ. नागेश पांडेय की समर्पित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए विधायक ताराचंद सारस्वत ने कहा कि हिंदी एवं हमारी भारतीय संस्कृति दोनों एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं, इसलिए संस्कृति को बचाने के लिए हिंदी को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के



हिन्दी दिवस पर साहित्यकारों को सम्मानित किया।

कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार समिति के साहित्यिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए भरोसा दिलाया कि वे आगामी दिनों में गंगासिंह विश्वविद्यालय से इसको किसी न किसी रूप में जोड़ने का कार्य करेंगे। राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार समिति के अध्यक्ष और जाने माने साहित्यकार श्याम महर्षि ने समिति के द्वारा की जाने वाली साहित्यिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्रस्तुत की। श्रीमती भगवती पारीक मनु की सरस्वती वन्दना से प्रारंभ हुए समारोह में मंत्री व संयोजक रवि

पुरोहित ने संस्था की 65 वर्षीय विकास यात्रा साझा की। हिंदी दिवस के अवसर पर 'हिंदी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता- संभावनाएं और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में महारानी सुदर्शना बालिका महाविद्यालय बीकानेर के पूर्व प्राचार्य डॉ. उमाकांत गुप्त, साहित्यकार व समालोचक डॉ. गजानंद चारण ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोनिका गौड़ ने किया। कार्यक्रम में चेतन स्वामी, बजरंग शर्मा, रामचन्द्र जी राठी, गजानंद सेवग,

मदन सैनी, सत्यनारायण योगी, सत्यदीप भोजक, महेश जोशी, सोहन ओझा, भवानी उपाध्याय, तुलसीराम चौरडिया, विजय महर्षि, महावीर सैनी, नारायण सारस्वत, श्रीभगवान मोनी, महावीर सारस्वत, सुशीला सारण, मोना मोरवानी, प्रतिज्ञा सोनी, सरोज शर्मा, पूनमचंद गोदारा, श्रवण गुरनानी, सुनील खांडल, नंदकिशोर पारीक, हरिराम चारण, लक्ष्मी कांत वर्मा, दयाशंकर शर्मा, कैलाश शर्मा आदि साहित्य प्रेमी व गणमान्य जन उपस्थित रहे।